

पाठ – अट्ठारह



मात्राओं की पहचान (कथन शैली)

नए शब्द —

काका, दादा, मामा, चाचा, दिन, पिन, बिना, तिथि, चिराग,
हिसाब, बिटिया, चीनी, दीदी, नीति, वाणी, चमड़ी, पुल, गुण,
तुला, बुरा, गुरु, मुरली, सुरती, धूल, पूजा, आलू, मृग, तृण,
घृणा, पृथक, कृपाण, मृणाल, नृपति, खेल, शेर, पेड़, चेला,
देवर, पैर, बैल, भैया, पैसा, कैदी, मैली, कैकेयी, थैली, चोर,
दोष, सोनार, बजाना, मौन, फौज, बौना, कचौड़ी, पकौड़ी, गौरैया।

आ = ा क् + ा = का, च् + ा = चा, त् + ा = ता, प् + ा = पा
काका, पापा, मामा, चाचा, नाना, दादा, माला
काका खाना खाता है।

इ = ि क् + ि = कि, च् + ि = चि, प् + ि = पि, न् + ि = नि
पिन, दिन, पिता, बिना, तिथि, चिराग, हिसाब, बिटिया
मणि किताब लिखता है।

ई = ी च् + ी = ची, द् + ी = दी, न् + ी = नी, ल् + ी = ली
चीनी, दीदी, पानी, नीति, वाणी, लड़की, चमड़ी
दीदी पानी पीती है।

उ = उ क् + उ = कु, ब् + उ = बु, त् + उ = तु, ह् + उ = हु
कुल, पुल, गुण, तुला, बुरा, गुरू, मुरली, सुरती
अमु बहुत बुरा आदमी है।

ऊ = ू क् + ू = कू, ज् + ू = जू, द् + ू = दू, फ् + ू = फू
दूध, धूल, फूल, जूता, पूजा, आलू, भालू
भालू आलू खाता है।

ऋ = ृ क् + ृ = कृ, त् + ृ = तृ, म् + ृ = मृ, घ् + ृ = घृ
मृग, तृण, घृणा, पृथक, कृपाण, मृणाल, नृपति
मृग तृण खाता है।

ए = े क् + े = के, ख् + े = खे, ल् + े = ले, श् + े = शे
खेल, शेर, पेड़, केला, चेला, बकरे, लड़के, देवर
लड़के केले खाते हैं।

ऐ = ै प् + ै = पै, भ् + ै = भै, म् + ै = मै, न् + ै = नै
पैर, बैल, भैया, पैसा, कैदी, मैली, कैकेयी
भैया की थैली में पैसे हैं।

ओ = ो क् + ो = को, घ् + ो = घो, च् + ो = चो, म् + ो = मो
चोर, मोर, दोष, घोड़ा, तोता, पोता, ढोलक, सोनार
सोहन रोज ढोलक बजाना है।

औ = ौ क् + ौ = कौ, च् + ौ = चौ, फ् + ौ = फौ, म् + ौ = मौ
मौन, फौज, कौवा, बौना, कचौड़ी, पकौड़ी, गौरैया
अचौ कचौड़ी खाता है।

प्रश्न-अभ्यास

1. देखो, लिखो और सीखो :—

।, ि, ी, उ, ँ, े, ै, ो, ौ

2. पढ़ो :—

पल, फल, कलम, कमल, शहर, सड़क
बाबा, चाचा, राधा, तारा, बाजार, लाचार
लिपि, निधि, बालिका, महिला, चिड़िया, बिटिया
जीजी, दीदी, नीति, रीति, जमीन, मलीन
तुम, दुम, मुनि, पुरी, कुलकुल, बुलबुल
दूत, भूत, बूढ़ा, पूरा, लहू, काबू
मृग, नृप, कृति, कृषि, गृह, पृथा
तेल, बेर, मेरा, तेरा, सफेद, गणेश
कैद, मैल, कैसा, जैसा, तैराक, पैगाम
तोप, पोल्, गोला, लोटा, चकोर, कलोल
कौन, चौक, मौका, सौदा, नौकर, जौहर

3. लिखो, सीखो और पहचानो :—

रू + उ = रु — रुख, रुचि, गुरु, अरुण, पुरुष, रुपया
रू + ू = रू — रूप, रूई, रूमाल, जरूर, बारूद
ह् + ृ = ह् — हत, हृदय, हृषीकेश
अनुस्वार = ं — कंगना, अंडा, गंढा, चंचल, हंस
चन्दविन्दू = ु — (चँद), हँसना
विसर्ग = : — (अदः)
ररेफ = ॢ — (कर्म, धर्म)

र पहेन = २ ^ — (क्रम, भ्रम), राष्ट्र, ड्रम

4. पढ़ो, पहचानो और समझो :—

- (क) बालिका रोज नाचती है।
- (ख) नानी फूल तोड़ती है।
- (ग) मामा और काका बाजार जाते हैं।
- (घ) मौसी हृषीकेश से गंगाजल लाती है।
- (ङ) अरुण रूमाल में रुपए बाँधता है।
- (च) साधु थैली में तृण रखता है।

अध्यापन-संकेत —

अध्यापक पाठ में दिए गए एक-एक वर्ण, मात्रा, शब्द और वाक्य को पढ़ेगा और छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा। छात्रों से पाठ का बार-बार अभ्यास कराया जाएगा और प्रत्येक मात्रा से परिचित कराया जाएगा। अगले दिन प्रश्न-अभ्यास के लिए दी गई सामग्री के आधार पर इस प्रकार अभ्यास कराए जाएंगे, जैसे —

अभ्यास 1 — पुस्तक के माध्यम से मात्राओं को लिखना सिखाया जाएगा।

अभ्यास 2 और 4 — अध्यापक छात्रों से पढ़ने के लिए कहेगा और इस बात का ध्यान रखेगा कि छात्र प्रत्येक मात्रा से परिचित हैं या नहीं। यदि परिचित नहीं हैं तो अध्यापक छात्रों को बार-बार बताएगा।

अभ्यास 3 — अध्यापक छात्रों को 'र' में 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ तथा 'ह' में 'ऋ' की मात्रा लगाते समय परिवर्तित रूप के बारे में बताएगा और लिखना भी सिखाएगा।

